5384-A

M.A. (Final) Examination, 2016

HINDI LITERATURE

Paper–IV-A

(निबन्ध एवं अन्य विधाएँ)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड-अ [Marks : 20

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-ब [Marks : 50

प्रत्येक इकाई से **एक-एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड-स [Marks : 30

कोई **दो** प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रस्नों के अंक समान हैं।

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इकाई–I

(अ) जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था को शुक्ल जी क्या कहते हैं?

(ब) डॉ. नगेन्द्र के अनुसार कविता क्या है?

इकाई–II

(स) 'पर्वत पुत्र' संस्मरण के दोनों कुली भाइयों के नाम क्या हैं?

(द) 'मेरे प्रिय संस्मरण' में संकलित उस संस्मरण का शीर्षक बताइये, जो हिरनी से सम्बन्धित है।

इकाई-III

(य) 'अमरकण्टक की सालती स्मृति' निबंध में किस नदी का वर्णन हुआ है?

(र) ''सोचते-सोचते लगा कि इस देश की ही नहीं, पूरे विश्व की एक कौसल्या है; जो हर बारिश में बिसूर रही है।''–'मोटे राम के भीजै मुकुटवा'–ये किस निबंध से ली गई पंक्ति है?

इकाई-IV

(ल) हरिशंकर परसाई के किन्हीं दो व्यंग्य-संग्रहों के नाम लिखिए।

(व) व्यंग्य का मूल स्वर क्या होता है?

इकाई-V

(श) 'जूठन' में लेखक को सबसे बड़ा कौनसा दंश महसूस होता है?

(ष) 'जूठन' किस प्रकार की रचना है?

खण्ड-ब

इकाई-I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

कविता का अंतिम लक्ष्य जगत् के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य-हृदय का सामंजस्य स्थापन है। इतने गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते में ही रह जाने वाले पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और 'वही और' सब कुछ है।

अथवा

3. वस्तुतः यदि कोई सचमुच भारतीय साहित्य का रस अनुभव करना चाहे तो उसे भारतवर्ष के इन चिरसंचित संस्कारों का अध्ययन अवश्य कर लेना चाहिए। जब हम देश और काल के इन विश्वासों को ठीक-ठीक समझ लेंगे तभी उनके आधार पर रचित साहित्य के अनाविल रस-रूप का परिचय पा सकेंगे। श्री कीथ जैसे विद्वान को भी जब हम विचलित होते देखते हैं तो लगता है कि अभी बहुत प्रयत्न की आवश्यकता है।

इकाई–II

4. कहना व्यर्थ है कि नाम के उपयुक्त बनाने के लिए सब बचपन से ही मेरे मस्तिष्क में इतनी विद्या-बुद्धि भरने लगे कि मेरा अबोध मन विद्रोही हो उठा। निरखर रामा की स्नेह-छाया के बिना मैं जीवन की सरलता से परिचित हो सकती थी या नहीं, इसमें संदेह है। मेरी पट्टी पुज चुकी थी और मैं 'आ' पर उंगली रखकर आदमी के स्थान पर आम, आलमारी, आज आदि के द्वारा मन की बात कह लेती थी।

अथवा

5. मनुष्य मृत्यु को असुंदर ही नहीं अपवित्र भी मानता है। उसके प्रियतम आत्मीय जन का शव भी उसके निकट अपवित्र, अस्पृश्य तथा भयजनक हो उठता है। जब मृत्यु इतनी अपवित्र और असुंदर है तब उसे बाँटते घूमना क्यों अपवित्र और असुंदर कार्य नहीं है, यह मैं समझ नहीं पाती।

इकाई-III

6. अयोध्या में राम लौटें या न लौटें, इससे हमें क्या मतलब, हमं तो रा" की लीला में अपने को ही कहीं स्थापित कर देना है, आज वह वन में हो रही है, हम वहीं रहेंगे। हमें राम ने क्या किया, राम के साथ क्या घटित हुआ, राम के पक्ष में क्या चर्चा हुई, विपक्ष में क्या चर्चा हुई, इससे क्या लेना-देना जब राम हमारे बीच में हैं, उनसे हम सीधे लड़-झगड़ सकते हैं, जो कुछ सुलझाना है, सुलझा सकते हैं।

अथवा

7. एक बार नज़दीक जाकर मैंने इस धुएँ को निरखा तो मुझे लगा कि पृथ्वी का रूप और पृथ्वी का स्पर्श और पृथ्वी का अन्तर्नाद और पृथ्वी की गंध सब एक साथ मिलकर एक वाष्प-यंत्र में परिणत हो गया हो, जिसमें रूप चमक आया, रस उमड़ आया हो, स्पर्श लहक आया हो, नाद थहर आया हो और गंध विथुर आयी हो।

इकाई-IV

8. हरिशंकर परसाई के व्यंग्य में समाज की विद्रूपताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

9. 'एक दीक्षांत भाषण' का निहितार्थ समझाइये।

इकाई-V

10. 'जूठन' में वर्णित जातिगत भेदभाव पर अपना मत दीजिए।

अथवा

11. ' 'जूठन' में लेखक का जीवन बहुत बेबाकी और ईमानदारी के साथ अभिव्यक्त हुआ है' इसकी पुष्टि कीजिए।

खण्ड–स

12. रामचंद शुक्ल के अनुसार 'काव्य में लोकमंगल की साधानावस्था' क्या है? समझाइये।

13. पठित संस्मरणों के आधार पर महादेवी वर्मा के गद्य–कौशल पर प्रकाश डालिए।

14. 'विद्यानिवास मिश्र के निबंधों में लुप्त होती लोक-संस्कृति का दर्द है।' प्रस्तुत कथन को प्रमाणित कीजिए।

15. सामाजिक बदलाव की पटकथा के रूप में ओम प्रकाश वाल्मीकि की रचना 'जूठन' का मूल्यांकन कीजिए।